Dr. Sangita Kumari Saha
B.A.D-II(H) (III)rd paper.

Continue.......

Types of Manic - Depressive psychosis.

उत्साह तथा विषाद दोनों अवस्था के रोगियों में मात्रा का अन्तर पाया जाता है। इन दोनों प्रकार के रोगियों के विभिन्न मात्रात्मक प्रकारों का वर्णन इस प्रकार है —।

(A) Manic phase → Manic phase के रोगियों को तीन वर्गों में बांटा जा सकता है।

(i) hypomania.
(ii) hypermania.
(iii) ~~delirio~~ delirious mania.

तीनों प्रकार के रोगियों के सामान्य लक्षण समान होते हैं। केवल लक्षणों की तीव्रता में अन्तर पाया जाता है। रोगी की इन तीनों अवस्थाओं के अनुरूप संवेगात्मक ज्ञानात्मक एवं क्रियात्मक क्रियाओं की उग्रता के लक्षणों का विकास होना कोई आवश्यक नहीं है अर्थात् एक सामान्य व्यक्ति सीधे तीव्र उत्साह या अति उन्मत उत्साह की अवस्था के लक्षणों का प्रदर्शन कर सकता है। कुछ रोगी हल्के उत्साह की अवस्था से तीव्र या अति उत्साह की अवस्था में प्रवेश करते हैं जबकि अन्य रोगी इस रोग की प्रारम्भिक अवस्था में ही ~~प्रवेश~~ रहते हैं।

(B) Drepressive phase. उत्साह की अवस्था की तरह विषाद की अवस्था के रोगियों को भी विषाद की मात्रा या तीव्रता के अनुसार तीन भागों में बांटा जाता है।

(1) Mild or Simple Depression
(2) acute depression

(3) depressive stupor

विषाद अवस्था से ग्रस्त रोगियों की तीनों अवस्थाओं के लक्षणों में भी केवल मात्रा का अन्तर पाया जाता है। सरल विषाद की अवस्था के रोगी में उत्साह की कमी तथा शारीरिक एवं मानसिक क्रियाओं के मन्द होने के लक्षण पाए जाते हैं। इनमें असफलता पाप दोष एवं हीनता के भाव प्रधान रहते हैं। तीव्र विषाद की अवस्था में रोगी की मानसिक एवं शारीरिक क्रियाओं में अधिक ह्रास हो जाता है। रोगी की निष्क्रियता अत्यधिक बढ़ जाती है। अति तीव्र विषाद की अवस्था वाले रोगी में विषाद एवं निराशा का भाव बहुत ही गंभीर रूप में पाया जाता है। रोगी बिल्कुल निष्क्रिय और अप्रतिक्रियाशील हो जाता है। इनमें अद्भुत प्रकार की कल्पनाओं से युक्त विभ्रम एवं व्यामोह जो अधिकतर पाप, पुनर्जन्म, मृत्यु आदि विषयों से संबंधित रहता है।